20 JUN 2015

परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, काकरापार

ग्यारहवीं – हिन्दी

2015

समय – 3 घंटे पूर्णांक - 90

निर्देश – सभी प्रश्नों के समुचित उत्तर दीजिए । वर्तनी की शुद्धता एवं लेख की स्वच्छता अपेक्षित है ।

खंड - (क)

प्र.1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर तत्संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 5X2=10

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,

दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली ।

पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के ।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,

आँधी चली धूल भागी घाघरा उठाए,

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की ।

बरस बाद सुध लीन्हीं -

बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की ॥

(क) "पाहुन' किसे कहा गया है और क्यों?

(ख) मेघ किस रूप में और कहाँ आए ?

(ग) मेघों के आने पर गाँव में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई देने लगे ?

(घ) बूढ़ा पीपल किसके रूप में है ? उसने क्या किया ?

(ङ) 'लता' कौन है? उसने क्या शिकायत की ?

कृ. पृ. उ.